SEM 1ST MJC

मनोलैंगिक विकास की अवस्थायें

(1) मुखावस्था (oral stage) :- 0-1 वर्ष

(i) चूसण - 0-6 माह तथा (ii) दर्शन 7-12 माह

(2) गुदावस्था :-

Anal - 2-3 वर्ष

- मल-मूत्र क्रियाओं में आनन्द लेता है।
- इन क्रियाओं के कम करने पर - धारणात्मक
- ज्यादा करने पर - आक्रामक

(3) लिंगप्रधान :- 4-5 वर्ष

(i) <u>आडिपस</u> - माता के प्रति प्रेम (लड़कों में पाई जाने वाली)

(ii) <u>इलेक्ट्रा</u> - लड़की का पिता के प्रति प्रेम (लड़कियों में पाई जाती है)

विशेष :- लिंग के प्रति ईर्ष्या का भाव पाया जाता है।

(4) अव्यक्त अवस्था :- 6-12 वर्ष

⇒ इस अवस्था में बालक काम क्रियायें नहीं करेगा

(5) जननेन्द्रियावस्था :- 13 वर्ष....

(i) समलिंगी - लड़का लड़के से प्यार

(ii) विषमलिंगी - लड़की का लड़के से प्यार

विशेष :- सिगमण्ड फ्रायड ने बाल्यावस्था के अनुभव व अचेतन अभिप्रेरणा पर अधिक बल दिया है।

Scanned by CamScanner

नवमनोविश्लेषणवाद

(1) कार्ल युंग - विश्लेषणात्मक सम्प्रदाय की स्थापना - 1913 में की थी।
- चेतन - अचेतन पर बल दिया।
कार्ल युंग ने व्यक्तित्व के 5 प्रकार बताये -
(i) परसोना
(ii) आत्म (हियो आर्किटाईप)
(iii) एनिमा (फादर आर्किटाईप)
(iv) छाया प्रतिरूप - शेडो
(v) एनिमस (मदर आर्किटाइप)

(2) एडलर -
- वैयक्तिक मनोवैज्ञानिक
- व्यक्तित्व की एकता
- जीवनशैली
- पुरुषोचित विरोध
- हीनता मनोवृत्ति - बाल्यावस्था में उत्पन्न (अपराधबोध की वजह से उत्पन्न होती है।

(3) केरेन हार्नी -
» इसने महिलाओं की हीनता का विरोध किया तथा आशावादी दृष्टिकोण पर बल दिया।

(4) इरिक फ्रोम :-
» मनुष्य को सामाजिक प्राणी मानते हुये सामाजिक कारकों पर बल दिया।

(5) सुलीवान :- अन्तः वैयक्तिक उपागम दिया
- पारस्परिक सम्बन्धों को महत्वपूर्ण माना

Scanned by CamScanner

③ विशेषक उपागम / शीलगुण उपागम :-

प्रतिपादक- आलपोर्ट व कैटल

(i) आलपोर्ट :-

* आलपोर्ट ने भावचित्रात्मक उपागम का उल्लेख करते हुये व्यक्तित्व में तीन प्रकार के गुणों का उल्लेख किया है।

(A) कार्डिनल :- जो महान व्यक्तियों में पाया जाता है। (सत्य)
(B) केंद्रीय :- यह सभी में पाया जाता है कम या ज्यादा (सामाजिक आत्मविश्वास)
(C) गौण :- विशेष तरीके से बोलना, बैठना, उठना, चलना, खाना आदि।

विशेष :- कार्यात्मक स्वायत्तता व पेपियम जैसे विरोधी गुणों का उपयोग किया।

(ii) कैटल :-

कैटल के अनुसार सामान्य व्यक्ति में 23 गुण
असामान्य में 12 गुण
प्रधान व्यक्ति में 16 P.F.

④ सामाजिक संज्ञानात्मक उपागम

- अलबर्ट बाण्डूरा
- वाल्टर
- सेलिगमेन
- इन्होंने अनुकरण को सबसे महत्वपूर्ण माना है।

⑤ मानवतावादी :- मैस्लो - आत्मसिद्धि

⑥ स्वप्रत्यय / सांवृत्तिक उपागम-
घटनाशास्त्र - कार्ल रोजर्स

- स्वयं तथा दूसरों की अनुभूतियों का अध्ययन करना सामर्थ्य कहलाता है।

⑦ विभिन्न उपागम-

(i) आईजेन्क :- इसने त्रिआयाम दिये हैं।

2025/10/31 14:58

Scanned by CamScanner

(A) अन्तर्मुखी बनाम बहिर्मुखी
(B) भावात्मक स्थिरता बनाम अस्थिरता
(C) मनस्तापी (अवसाद)

(ii) पाल कोस्टा / रॉबर्ट मैक्रे :- पंचकारक मॉडल
इसके पाँच नाम हैं-
(A) अनुभवों का खुलापन
(B) बहिर्मुखता
(C) सहमतिशीलता
(D) अंतः विवेकशीलता
(E) तंत्रिका तापिता

⑧ जीवन अवधि उपागम
प्रतिपादक - इरिक- इरिक्शन
⇒ पूरी जिन्दगी भर व्यक्तित्व का विकास

⑨ संज्ञानात्मक उपागम
प्रतिपादक - कैटी / कुर्त लेविन
⇒ यह उपागम इस बात पर बल देता है कि हम वातावरण का प्रत्यक्षीकरण कैसे करते हैं तथा समस्याओं का समाधान कैसे करते हैं।

⑩ माँग सिद्धांत
प्रतिपादक - हेनरी मुर्रे
⇒ इनके अनुसार 40 माँगों से व्यक्तित्व प्रभावित होता है।

⑪ शरीर गठनात्मक उपागम
⇒ यह उपागम विलियम जेम्स, क्रेशमर व शेल्डन ने दिया था।

विशेष:- व्यक्तित्व आविष्कारिका :- यह व्यक्तित्व का प्रत्यक्ष तथा विशेष गुणों का मापन करता है।

(i) - 1918 में वुडवर्थ ने दिया, 116 प्रश्न थे
⇒ यह सैनिकों की संवेगात्मक अस्थिरता का मापन करता है।

(ii) MMPI (मिनीसोटा बहुपक्षीय व्यक्तित्व आविष्कारिका :-
प्रतिपादक - हाथवे व मैकिन्ले, 1940 में संशोधन-1943

Scanned by CamScanner
2025/10/31 14:58